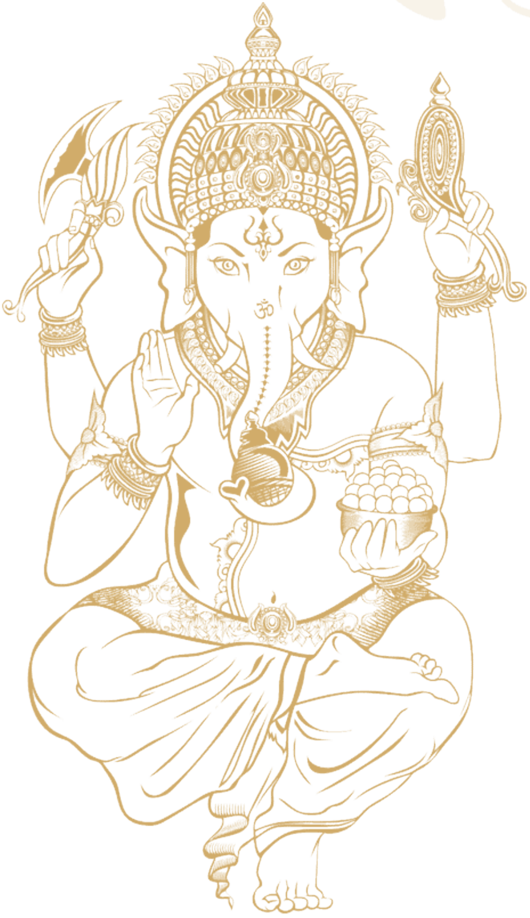

Mr.sandeep

13 Oct 1967

09:10 AM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 121118302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/10/1967**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**09:10:00 घंटे**
इष्ट	06:58:32 घटी
स्थान	**Ujjain**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:11:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:43:20 घंटे
वेलान्तर	00:13:33 घंटे
साम्पातिक काल	10:07:25 घंटे
सूर्योदय	06:22:35 घंटे
सूर्यास्त	18:03:25 घंटे
दिनमान	11:40:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:42:52 कन्या
लग्न के अंश	02:13:07 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चिक	02:13:07	315:34:52	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			कन्या	25:42:52	00:59:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			मक	27:17:05	12:31:56	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल			वृश्चिक	29:22:45	00:43:08	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			तुला	20:29:20	00:45:55	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	05:31:41	00:10:28	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	12:46:15	00:40:08	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	14:48:52	00:04:35	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		मेष	04:34:10	00:01:21	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	04:34:10	00:01:21	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कन्या	02:56:46	00:03:34	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
नेप			तुला	29:25:28	00:01:57	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
प्लूटो			सिंह	28:04:18	00:01:59	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	06:20:42	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:24:17

लग्न-चलित

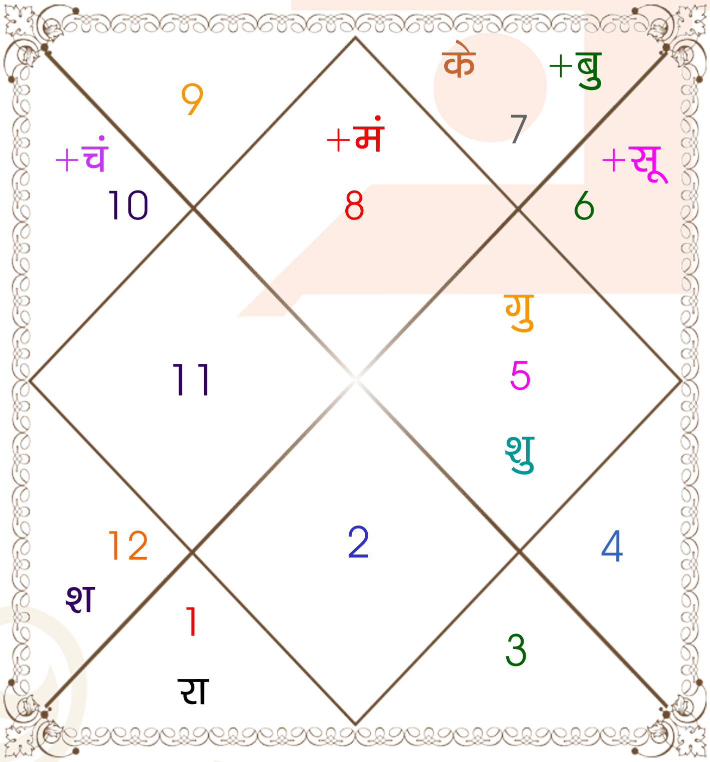

चन्द्र कुंडली

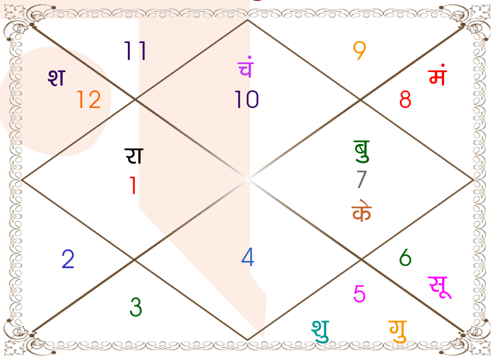

नवमांश कुंडली

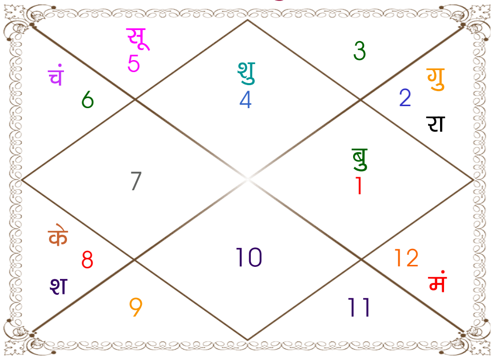

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 11 मास 3 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/10/1967		15/09/1972		15/09/1990		15/09/2006		15/09/2025	
15/09/1972		15/09/1990		15/09/2006		15/09/2025		15/09/2042	
	00/00/0000	राहु	29/05/1975	गुरु	03/11/1992	शनि	18/09/2009	बुध	12/02/2028
	13/10/1967	गुरु	22/10/1977	शनि	17/05/1995	बुध	28/05/2012	केतु	08/02/2029
गुरु	06/02/1968	शनि	28/08/1980	बुध	22/08/1997	केतु	07/07/2013	शुक्र	10/12/2031
शनि	17/03/1969	बुध	17/03/1983	केतु	29/07/1998	शुक्र	06/09/2016	सूर्य	15/10/2032
बुध	14/03/1970	केतु	04/04/1984	शुक्र	29/03/2001	सूर्य	19/08/2017	चंद्र	17/03/2034
केतु	10/08/1970	शुक्र	04/04/1987	सूर्य	15/01/2002	चंद्र	20/03/2019	मंगल	14/03/2035
शुक्र	10/10/1971	सूर्य	27/02/1988	चंद्र	17/05/2003	मंगल	28/04/2020	राहु	30/09/2037
सूर्य	15/02/1972	चंद्र	28/08/1989	मंगल	22/04/2004	राहु	05/03/2023	गुरु	06/01/2040
चंद्र	15/09/1972	मंगल	15/09/1990	राहु	15/09/2006	गुरु	15/09/2025	शनि	15/09/2042

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/09/2042		15/09/2049		15/09/2069		16/09/2075		15/09/2085	
15/09/2049		15/09/2069		16/09/2075		15/09/2085		00/00/0000	
केतु	12/02/2043	शुक्र	15/01/2053	सूर्य	03/01/2070	चंद्र	16/07/2076	मंगल	11/02/2086
शुक्र	13/04/2044	सूर्य	15/01/2054	चंद्र	04/07/2070	मंगल	14/02/2077	राहु	02/03/2087
सूर्य	19/08/2044	चंद्र	16/09/2055	मंगल	09/11/2070	राहु	16/08/2078	गुरु	13/10/2087
चंद्र	20/03/2045	मंगल	15/11/2056	राहु	04/10/2071	गुरु	16/12/2079		00/00/0000
मंगल	16/08/2045	राहु	16/11/2059	गुरु	22/07/2072	शनि	16/07/2081		00/00/0000
राहु	03/09/2046	गुरु	17/07/2062	शनि	04/07/2073	बुध	16/12/2082		00/00/0000
गुरु	10/08/2047	शनि	15/09/2065	बुध	11/05/2074	केतु	17/07/2083		00/00/0000
शनि	18/09/2048	बुध	16/07/2068	केतु	15/09/2074	शुक्र	17/03/2085		00/00/0000
बुध	15/09/2049	केतु	15/09/2069	शुक्र	16/09/2075	सूर्य	15/09/2085		00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 11 मा 9 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।